PAPER-III

COMMERCE

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________

(In words)

D	0	8	1	0

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।

COMMERCE

वाणिज्य

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खंड – I

This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

इस खंड में **बीस-बीस (20)** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Write a detailed note on the functions and policies of World Trade Organization.
विश्व व्यापार संगठन के कार्यों एवं नीतियों पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिये ।

OR/अथवा

Explain the laws of variable proportions and elucidate economies of scale.
परिवर्तनशील अनुपातों के नियमों की व्याख्या कीजिये एवं पैमाने की मितव्ययिताओं को स्पष्ट कीजिये ।

OR/अथवा

Highlight the merits and demerits of census type vs. sample type enquiries and explain the probability based sampling techniques.
संगणना एवं प्रतिदर्श प्रकार के अध्ययन के गुण एवं दोषों का उल्लेख कीजिये, एवं संभावना आधारित प्रतिचयन प्रणालियों को स्पष्ट कीजिये ।

2. What is meant by consumer behaviour ? What factors do influence it ? Explain the rationale of studying consumer behaviour in successful marketing.
उपभोक्ता व्यवहार से क्या तात्पर्य है ? इसको कौन से घटक प्रभावित करते हैं ? सफल विपणन में उपभोक्ता व्यवहार के अध्ययन का क्या औचित्य है ?

OR/अथवा

"Performance appraisal is not merely for appraisal but is for accomplishment and improvement of performance." Explain and illustrate in the context of 360° appraisal method in the field of human resource management.
"निष्पादन मूल्यांकन मात्र मूल्यांकन ही नहीं है बल्कि निष्पादन की उपलब्धि एवं सुधार भी है ।" मानव संसाधन प्रबन्ध के क्षेत्र में 360° मूल्यांकन पद्धति के संदर्भ में इसकी उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये ।

OR/अथवा

Distinguish between explicit and implicit concepts of cost of capital and explain the important methods of estimating the cost of equity capital of a publicly held corporate body.
पूँजी लागत की स्पष्ट एवं गर्भित अवधारणा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये एवं सार्वजनिक समामेलित संस्था की समता पूँजी की लागत को अनुमानित करने की महत्त्वपूर्ण विधियों की व्याख्या कीजिये ।

SECTION – II
खंड – II

This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन** (3) प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह** (15) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ** (300) शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
Accounting and Finance
ऐच्छिक – I
लेखांकन एवं वित्त

3. Discuss the various methods of inflation accounting.
मुद्रा स्फीति लेखांकन की विभिन्न विधियों का विवेचन कीजिये ।

4. Explain the call and put options; and state as to how is the value of a call option determined.
कॉल एवं पुट विकल्पों (ऑप्शन्स) की व्याख्या कीजिये; तथा यह बताइयें कि एक कॉल विकल्प का मूल्य कैसे निर्धारित होता है ?

5. Elucidate the nature and functions of factoring and discuss the factoring as a source of corporate finance.
लेनदारी-लेखा-क्रय के स्वभाव एवं कार्यों का वर्णन कीजिये एवं निगम वित्त के साधन के रूप में लेनदारी-लेखा-क्रय का विवेचन कीजिये ।

OR / अथवा
Elective – II
Marketing
ऐच्छिक – II
विपणन

3. Why does a marketer need study different types of consumer behaviour ? Explain in the context of Indian market.
एक विपणनकर्ता को विभिन्न प्रकार के उपभोक्ता व्यवहार के अध्ययन की आवश्यकता क्यों होती है ? भारतीय बाजार के संदर्भ में व्याख्या कीजिये ।

4. One of the key marketing trends of the 1990s was that organizations were trying to become more market driven. What role should market research play in the process ? Discuss.
1990 के दशक में एक मुख्य विपणन प्रवृत्ति थी कि उपक्रमों अधिकाधिक बाजार प्रेरित होने का प्रयास कर रहे थे । इस प्रक्रिया में बाजार शोध की क्या भूमिका होनी चाहिये ? विवेचना कीजिये ।

5. What is tele-marketing ? How did changes in technology contribute towards the growth of tele-marketing ?
दूरभाष-विपणन क्या है ? तकनीकी में परिवर्तन किस प्रकार से दूरभाष-विपणन के विकास में योगदान कर सका है ?

OR / अथवा

Elective – III

Human Resource Management

ऐच्छिक – III

मानव संसाधन प्रबन्ध

3. What is meant by performance appraisal ? Why should any performance appraisal be done within an organization ? How does it help at enhancing employee performance ?
निष्पादन मूल्यांकन से क्या तात्पर्य है ? एक संगठन में क्यों निष्पादन मूल्यांकन होना चाहिये ? यह किस प्रकार कर्मचारी निष्पादन को बढ़ाने में सहायक है ?

4. "In the post-liberalisation scenario, the role of human resource managers has become more challenging than ever before." Discuss.
उदारीकरण के पश्चात् के परिदृश्य में मानव संसाधन प्रबन्धकों की भूमिका पहले से सदा की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गयी है । विवेचना कीजिये ।

5. What are the practical deficiencies in the implementation of workers' participation in management in India ? In your opinion, what conditions are essential for the success of workers' participation in Management ?
भारत में श्रमिकों की प्रबन्ध में साझेदारी लागू करने में व्यावहारिक कमियाँ क्या हैं ? आपके विचार से प्रबन्ध में श्रमिकों की साझेदारी की सफलता के लिये कौन सी शर्तें अति-आवश्यक है ?

OR / अथवा

Elective – IV

International Business

ऐच्छिक – IV

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

3. How do you justify the role of MNCs in bringing Foreign Direct Investment in India ?
भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश लाने में बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका को आप किस प्रकार न्यायसंगत ठहरायेंगे ?

4. In the wake of WTO agreements, how are the intellectual property rights protected in India ?
डब्ल्यू.टी.ओ. समझौतों के संदर्भ में भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का किस प्रकार संरक्षण होता है ?

5. Critically examine the controversy regarding fixed vs flexible exchange rate.
स्थिर बनाम परिवर्तनशील विनिमय दर से संबन्धित विवाद का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

OR / अथवा

Elective – V

Income-tax Law and Tax Planning

ऐच्छिक – V

आयकर विधि एवं कर-नियोजन

3. Examine the effect of recent changes that have been made to computation of taxable income under various heads.
उन अभिनव परिवर्तनों के प्रभाव का परीक्षण कीजिये जिन्हें विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत करयोग्य आय की गणना के लिये किये गये हैं ।

4. Discuss the measures taken by the Government of India to minimize tax evasion and tax avoidance.
कर-अपवंचन तथा कर-परिहार को न्यूनतम करने के लिये भारत सरकार द्वारा किये गये उपायों की विवेचना कीजिये ।

5. Write a note on 'On-line filing of returns' and payment of taxes'. How does it help the tax payers ?
'विवरणी दाखिल करने की ऑन-लाइन प्रक्रिया' एवं करों के भुगतान पर एक टिप्पणी लिखिये । यह करदाताओं की किस प्रकार सहायता करती है ?

SECTION – III
खंड – III

This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 Marks)**

इस खंड में **दस-दस** (10-10) अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What are the important provisions of Consumer Protection Act 1986 ?
   उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के महत्त्वपूर्ण प्रावधान क्या हैं ?

7. What are the important methods of valuation of Shares ?
अंशों के मूल्यांकन की महत्त्वपूर्ण रीतियाँ क्या हैं ?

8. Distinguish between profit maximization and wealth maximization as an objective of financial management.

वित्तीय प्रबन्ध के उद्देश्य के रूप में लाभ अधिकतमकरण तथा सम्पदा अधिकतमकरण के बीच अंतर स्पष्ट कीजिये ।

9. What are the features of the Line and Staff Organization ?
रेखा एवं कर्मचारी संगठन की विशेषताएँ क्या हैं ?

10. How does pay back method of investment appraisal incorporate risk in decision making ?
विनियोग मूल्यांकन की पुनर्भुगतान रीति किस प्रकार निर्णयन में जोखिम का समावेश करती है ?

11. Highlight important issues of Industrial Relations in India.
भारत में औद्योगिक संबन्धों के महत्त्वपूर्ण मुद्दों का उल्लेख कीजिये ।

12. What are the important functions of Commercial Banks ?
वाणिज्यिक बैंकों के महत्त्वपूर्ण कार्य क्या हैं ?

13. What are the important functions of World Trade Organisation (WTO) ?
विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू. टी. ओ.) के महत्त्वपूर्ण कार्य क्या हैं ?

14. What are the salient features of the law of demand ?
मांग के नियम की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ?

SECTION – IV
खंड – IV

This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच** (5) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच** (5) अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

While stressing that without adequate fiscal and monetary discipline, other regulatory measures would not have the desired effect, the policy recognised that fiscal and monetary policies by themselves might also not suffice to secure the right relationship between various prices or to prevent undue hardship to low and fixed income groups. "It may be necessary, then, to have physical allocations and direct controls in certain sectors. It will be agreed, for instance, that so long as steel is scarce, it should be distributed between competing uses on the basis of agreed priorities. It may, of course, be essential to raise the price of any commodity that is scarce; but it may not be desirable from an overall point of view to get the highest bidder to get the bulk of the available supplies, leaving the rest to their own devices. If, similarly, there is a shortage of an essential drug, control of prices and distribution at a fair price to genuine users would be the appropriate course of action to adopt. The same reasoning applies to essentials of life like food or cloth. The prices of what may be called basic essentials must be held reasonably stable; in regard to commodities that are less essential, or may be classed as comforts or luxuries, a rise in prices may have to be tolerated. In the case of comfort and luxuries, in fact, an important factor in policy is the need to raise more resources; a rise in their prices does not affect the common man. The techniques of price regulation may vary from commodity to commodity; in some cases, an increase in production may be the only way to secure a reasonable level of prices. In other cases, buffer stocks, reorganisation of distribution arrangements and some direct controls may be inescapable."

जबकि इस बात पर बल दिया गया कि बिना पर्याप्त राजकोषीय एवं मौद्रिक अनुशासन के अन्य नियामकीय उपाय का इच्छित प्रभाव नहीं हो सकेगा, मूल्य नीति में यह मान्यता रखी गयी कि राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियाँ स्वयं में विभिन्न मूल्यों के बीच उचित संबन्ध को प्राप्त करने के लिये पर्याप्त नहीं होते अथवा निम्न एवं स्थिर आय वर्गों की अनुचित कठिनाइयों को रोकने में यह पर्याप्त नहीं होते । तब यह आवश्यक हो सकता है कि कुछ अचलों में भौतिक आबंटन एवं प्रत्यक्ष नियन्त्रणों को अपनाया जाये । उदाहरण स्वरूप, इस पर सहमत होंगे कि जब तक इस्पात दुर्लभ है इसको प्रतिस्पर्धात्मक उपयोगों में सहमत प्राथमिकताओं के आधार पर वितरित किया जाये । नि:संदेह किसी भी वस्तु के मूल्य को बढ़ाना आवश्यक हो सकता है जो दुर्लभ हो, किन्तु यह समग्र दृष्टि से वांछनीय नहीं हो सकता है कि सर्वोच्च बोली वाले को

ही उपलब्ध आपूर्ति का अधिकांश भाग प्राप्त हो और शेष को उनके अपने साधनों पर छोड़ दिया जाये । इसी प्रकार यदि किसी आवश्यक दवा की कमी है तो मूल्यों का नियन्त्रण एवं असली उपयोगकर्ताओं को उचित मूल्य पर वितरण नि:संदेह अपनाया जाना चाहिये । यही तर्क जीवन की आवश्यक वस्तुओं के लिये भी लागू होता है, जैसे भोजन या कपड़ा । वस्तुएँ जिनको आधारभूत अति आवश्यक माना जाता है उनके मूल्यों को उचित रूप से स्थिर रखना चाहिये तथा उन वस्तुओं के सम्बन्ध में जो कम आवश्यक है या जिन्हें आरामदायक और विलासिता के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है उनके मूल्यों में वृद्धि को सहन किया जा सकता है । वास्तव में आरामदायक एवं विलासिता की वस्तुओं के संदर्भ में अधिक संसाधनों को प्राप्त करने की आवश्यकता मूल्य नीति में एक महत्त्वपूर्ण घटक है, क्योंकि उनके मूल्यों में वृद्धि सामान्य जन को प्रभावित नहीं करती है । मूल्य नियमन की तकनीक वस्तु-वस्तु के लिये भिन्न हो सकती है तथा कुछ मामलों में मूल्यों के उचित स्तर को प्राप्त करने के लिये उत्पादन में वृद्धि ही एकमात्र रास्ता हो सकता है । अन्य मामलों में सुरक्षित भण्डार, वितरण व्यवस्था का पुनर्गठन एवं कुछ प्रत्यक्ष नियन्त्रण अवश्यंभावी हो सकते हैं ।

15. What policy measures were considered effective for preventing hardships of fixed income groups ?
स्थिर आय वर्गों की कठिनाइयों को रोकने हेतु कौन से नीतिगत उपायों को प्रभावी माना जाता है ?

16. Besides pricing, what other measures are essential for scarce goods ?
दुर्लभ वस्तुओं के लिये, मूल्यन के अतिरिक्त, कौन से अन्य उपाय अति आवश्यक हैं ?

17. For what types of goods may the raising of prices be acceptable ?
किस तरह की वस्तुओं के संदर्भ में मूल्यों को बढ़ाना स्वीकार्य हो सकता है ?

18. How may the prices be usually managed to be stable ?
सामान्यत: मूल्यों को किस प्रकार स्थिर रखा जा सकता है ?

19. What other measures can be adopted for price stability ?
मूल्य स्थिरता के लिये कौन से अन्य उपायों को अपनाया जा सकता है ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....